जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

22 जून, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स; पावर इलेक्ट्रॉनिक्स तथा अक्षय ऊर्जा अनुसंधान में नए आयाम जोड़ेंगे: जामिया कुलपति प्रो. नजमा अख्तर

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने जोर देकर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग से पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और अक्षय ऊर्जा के अनुसंधान में नए आयाम जुड़ेंगे। "सोलर पीवी एंड इट्स फ्यूचर चैलेंजेज" पर एक अंतर्राष्ट्रीय पैनल चर्चा का उद्घाटन करते हुए, प्रो. अख्तर ने उल्लेख किया कि जलवायु परिवर्तन के खतरों और ग्रीन हाउस गैस मुद्दे को विश्व स्तर पर हल करने की आवश्यकता है और अकादमिक शोधकर्ता इसे प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने पैनलिस्ट के रूप में भाग लेने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रख्यात शोधकर्ताओं का भी स्वागत किया।

प्रो. अख्तर ने यह भी बताया कि जामिया परिसर ने 2.25 मेगावाट सोलर पीवी आधारित संयंत्र स्थापित किया है और उल्लेख किया है कि किसानों के लिए भारत सरकार (भारत सरकार) की योजनाओं जैसे पीएम-कुसुम का उपयोग सौर ऊर्जा संसाधन के लिए किया जाना चाहिए।

कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एहतेशमुल हक और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुन्ना खान को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए, डॉ. एहतेशमुल हक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर, जेएमआई, वरिष्ठ सदस्य आईईईई, आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी के संकाय सलाहकार जेएमआई स्टूडेंट चैप्टर, कोषाध्यक्ष आईईईई पीईएलएस सोसाइटी दिल्ली चैप्टर और आयोजन के संयोजक ने पैनलिस्ट का परिचय दिया। डॉ. हक ने प्रतिभागियों को बताया कि कुलपति ने कई कदम उठाए हैं जिसके कारण विश्वविद्यालय अकादमिक और अनुसंधान के सभी पहलुओं में आगे बढ़ रहा है।

प्रो. फ्रेड ब्लाबजर्ग, फेलो आईईईई, अध्यक्ष आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी, डेनमार्क के अलबोर्ग विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पैनल के अध्यक्ष थे। प्रो. फ्रेड को पवन ऊर्जा विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स में अपने अग्रणी शोध के लिए यूरोपीय पवन ऊर्जा अकादमी द्वारा 2021 का ईएडब्ल्यूई वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त हैं।

पैनल के सदस्यों में प्रो. भीम सिंह, फेलो आईईईई और आईआईटी दिल्ली में प्रोफेसर; प्रो. सिंह आईईईई-आईएएस उत्कृष्ट शिक्षक/संरक्षक पुरस्कार 2020 के प्राप्तकर्ता हैं। अन्य पैनलिस्ट एमएनआईटी जयपुर के प्रोफेसर राजेश कुमार, फेलो आईईटी-यूके; अलबोर्ग यूनिवर्सिटी डेनमार्क के प्रो. हुआई वांग; झेजियान विश्वविद्यालय, चीन के प्रो. योंगहेंग यांग शामिल थे।। ।

प्रो. सुकुमार मिश्रा, चेयर- आईईईई पीईएलएस दिल्ली चैप्टर, प्रोफेसर आईआईटी दिल्ली, और प्रो प्रेरणा गौर- चेयर आईईईई दिल्ली सेक्शन और डीटीयू में प्रोफेसर ने पैनलिस्ट, प्रतिभागियों और अतिथि का स्वागत किया और बहुत महत्वपूर्ण विषय पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए डॉ. हक की सराहना की।

प्रो. मुन्ना खान- फेलो आसमा यूएसए, आईएसएएम, आईई, आईईटीई इंडिया फेलो, वरिष्ठ सदस्य आईईईई, अध्यक्ष, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने विभाग के शोध प्रोफाइल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विभाग को निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए कुलपति को धन्यवाद दिया।

पैनलिस्ट ने सोलर पीवी और इसकी भविष्य की चुनौतियों से संबंधित चिंता के कई बिंदुओं पर चर्चा की। बिंदुवार चर्चा भारतीय परिदृश्य और विश्व परिदृश्य पर आधारित थी। उनमें से कुछ थे, इसे किफायती बनाना, सभी के लिए आसान पहुंच, निगरानी के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग जैसे -एआई, आईओटी, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस इत्यादि। पैनलिस्ट का विचार था कि आने वाले दशकों में इस क्षेत्र में उच्चतम विकास होगा और इसके लिए विश्वसनीयता, गिरावट, लागत प्रभावी रखरखाव, वितरित पीवी संयंत्रों के अनुकूलित प्लेसमेंट आदि जैसी चुनौतियों का समाधान करने के अवसर शोधकर्ताओं लिए मौजूद होंगे। पैनलिस्ट ने उन क्षेत्रों की भी पहचान की, जिनमें अनुसंधान निधि की आवश्यकता है।

डॉ. आशु वर्मा- सचिव आईईईई पीईएलएस दिल्ली चैप्टर और आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

यह कार्यक्रम आईईईई-पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी दिल्ली चैप्टर, आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी स्टूडेंट चैप्टर- जेएमआई, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग- जेएमआई द्वारा आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स दिवस यानी 20 जून 2021 को संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया